वैज्ञानिक साहस के लिए पुरस्कार

पिछले सप्ताह प्रोफेसर डेविड नट को जॉन मैडॉक्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 22 वर्षों तक नेचर नामक प्रतिष्ठित पत्रिका के संपादक रहे जॉन मैडॉक्स की स्मृति में यह पुरस्कार ऐसे व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जो विज्ञान के पक्ष में खड़े होने का साहस दिखलाते हैं। पिछले दो वर्षों से यह पुरस्कार नेचर पत्रिका, कॉन फाउंडेशन और सेंस अबाउट साइंस नामक संस्था द्वारा संयुक्त रूप से दिया जा रहा है।

निर्णायकों ने इस पुरस्कार के लिए प्रोफेसर नट का चयन इस आधार पर किया कि उनके विचारों और काम का व्यापक असर दवाइयों के प्रमाण आधारित वर्गीकरण पर पड़ा है। निर्णायकों ने कहा है कि इस संदर्भ में प्रोफेसर नट ने, तमाम आलोचनाओं के बावजूद, विज्ञान और तर्कसंगत सोच के प्रति निष्ठा कायम रखी और मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों का सामना करते हुए वैज्ञानिक तर्क को आम लोगों के बीच रखने का साहस दिखाया।

प्रोफेसर नट फिलहाल इम्पीरियल कॉलेज, लंदन में न्यूरो-सायको-फार्मेकोलॉजी के प्रोफेसर हैं। मई 2008 में उन्हें यूके सरकार ने दवाइयों के दुरुपयोग सम्बंधी सलाहकार समिति (एसीएमडी) का अध्यक्ष नियुक्त किया था। अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका यह थी कि सरकार के मंत्रियों को गैर-कानूनी दवाइयों के वर्गीकरण सम्बंधी परामर्श दें और यह स्पष्ट करें कि इन दवाइयों के क्या हानिकारक असर हो सकते हैं।

अलबत्ता, 2009 में जब उन्होंने सार्वजनिक रूप से यह मत व्यक्त किया कि दवा सम्बंधी सरकारी नीति दरअसल वैज्ञानिक प्रमाणों के विरुद्ध है, तो उन्हें अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। निर्णायक पैनल के एक सदस्य कोलिन ब्लेकमोर ने एक साक्षात्कार में बताया, "यह पुरस्कार प्रोफेसर नट को इसलिए दिया गया है क्योंकि उन्होंने वैज्ञानिक प्रमाण को सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करने का संकल्प प्रदर्शित किया है।"

पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर प्रोफेसर नट ने कहा, "विज्ञान मानवता को परिभाषित करता है। लिहाज़ा, यह ज़रूरी है कि वैज्ञानिक मानव जीवन के हर पहलू में अपनी पूरी भूमिका निभाएं।"

प्रोफेसर नट से पहले वर्ष 2012 में यह पुरस्कार साइमन वेसली और शी-मिन फैंग को दिया गया था। पुरस्कार में एक प्रमाण पत्र और 2000 पाउंड की राशि दी जाती है। ***(स्रोत फीचर्स)***